# मेट्रो प्रोजेक्ट पर थाईलैंड और फिनलैंड की कंपनियां उत्साहित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के मेट्रो प्रोजेक्ट में काम करने के लिए थाईलैंड और फिनलैंड की कंपनियां भी उत्साहित हैं। इन्वेस्टर्स समिट में इन देशों के प्रतिनिधियों ने लखनऊ मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एलएमआरसी) के एमडी कुमार केशव के साथ कई राउंड में बातचीत की। इसके बाद तय हुआ कि कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर, मेरठ, आगरा और इलाहाबाद में शुरू होने वाले प्रोजेक्ट की निविदाओं में ये कंपनियां भाग लेंगी। वहीं, लखनऊ, नोएडा व ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और वैशाली में शुरू होने वाले नए कॉरिडोर के काम में भी प्रतिनिधियों ने इच्छा जाहिर की है।

नई मेट्रो नीति आने के बाद विदेशी कंपनियां पीपीपी मॉडल पर काम करने की इच्छुक हैं। केशव ने बताया कि लखनऊ मेट्रो को तय डेडलाइन पर पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम का माहौल बनने की वजह ने इन देशों को दूसरे प्रोजेक्ट के लिए आकर्षित किया है। एक ही प्रदेश में 10 शहरों में मेट्रो प्रोजेक्ट पर यह सहमति बनी है। प्रोजेक्ट के लिए सभी जरूरी मैन्युफैक्चरिंग यूपी में ही होगी।

## यूपी के चार शहरों में चल रहे मेट्रो प्रोजेक्ट, 6 और शहरों में होने हैं शुरु

### अब यूपीएमआरसी के सामने होगा प्रजेंटेशन

*एमडी ने बताया कि एलएमआरसी को जल्द ही यूपीएमआरसी बनाने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद यूपीएमआरसी ही सभी प्रजेंटेशन देखेगी। यह कंपनियां बताएंगी कि मेट्रो प्रोजेक्ट में उनकी तरफ से क्या इनोवेशन हो सकता है? इसी साल कानपुर, आगरा के नए प्रोजेक्ट और लखनऊ की ब्लू लाइन (चारबाग से बसंत कुंज) में काम शुरू होना है।*

### 50,000 करोड़ रुपये आएगा खर्च

*दस शहरों में शुरू होने वाले मेट्रो प्रोजेक्ट पर तीन-चार साल में करीब 50,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। समिट के पहले दिन ही चेक रिपब्लिक की कंपनियां भी मेट्रो के साथ काम करने को लेकर सहमति दे चुकी हैं।*